

من هو النَّبِيُّ ﷺ وماذا عَلَّمنا ؟

नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम कौन हैं, और आप ने हमें क्या शिक्षा दी है?

Language:	अरबी - हिंदी	العربية - الهندية	اللغة :
Targeted areas:	भारत एवं नेपाल	الهند والنيبال	المناطق المُستهدفة باللغة :
Translated by:	साबिर हुसैन	صابر حسين	ترجمة :
Revised by:	सुन्नत संस्थान का वैज्ञानिक विभाग	القسم العلمي بمعهد السنة	مراجعة :
Supervisor:	डॉक्टर हैसम सरहान	د. هيثم سرحان	إشراف :
Edition & Year:	प्रथम - 1443 हिजरी	الأولى - ١٤٤٣ هـ	النسخة والسنة :



الطبعة الأولى

الحقوق متاحة لكل مسلم ومسلمة

الرجاء التواصل على: islamtorrent@gmail.com

فسح وزارة الإعلام



بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम कौन हैं, और आप ने हमें क्या शिक्षा दी है ?

من هو النَّبِيُّ مُحَمَّدٌ ﷺ، وماذا عَلَّمنا؟

आप वह हैं जिन्होंने 1400 साल पहले सभी मनुष्यों के अधिकारों की रक्षा की थी।

هو الَّذِي دافع عن حقوق كلِّ البشر منذ ١٤٠٠ عامٍ.

उन्होंने पुरुषों, महिलाओं, बच्चों और कमजोरों के अधिकारों की रक्षा की।

حفظ الرِّجال، والنِّساء، والصِّغار والضعفاء.

उन्होंने जानवरों और पर्यावरण के अधिकारों की रक्षा की और पृथ्वी की उचित देखभाल करने को प्रोत्साहित किया।

حفظ حقوق الحيوان والنبات، وحثَّ على الاعتناء بالأرض.

उन्होंने हमें अच्छे व्यवहार करने का आदेश दिया; उन्होंने रिश्तेदारों और पड़ोसियों के बीच अच्छे संबंधों को बढ़ावा दिया।

أمرنا بحسن الخلق، ونظَّم العلاقة بين الأقارب والجيران.

उन्होंने मुसलमानों और गैर-मुस्लिमों के बीच सह-अस्तित्व का संबंध स्थापित किया।

وأسَّس علاقة تعايشٍ بين المسلمين وغير المسلمين.

उन्होंने पारिवारिक संबंधों को बढ़ावा दिया और उन्हें संरचित किया जो बच्चों पर माता-पिता के महान और महत्वपूर्ण अधिकारों की गारंटी देता है।

ونظَّم العلاقات الأسريَّة الَّتِي تضمن لأب وللامَّ حقوقاً كبيرةً وعظيمةً على أبنائهم.

उन्होंने अन्याय को रोका और न्याय, प्रेम, एकजुटता और भलाई के लिए सहयोग का आह्वान किया।

منع الظُّلم، ودعا للعدل والمحبة والتكاتف والتعاون للخير.

उन्होंने जरूरतमंदों की मदद करने, बीमारों से मिलने और सभी लोगों से प्यार करने और एक-दूसरे को अच्छी सलाह देने का आह्वान किया।

دعا لمساعدة المحتاج، وزيارة المريض، والمحبة، والتناصح بين كلِّ الناس.

उन्होंने मुसलमानों को चोरी, धोखाधड़ी, हत्या और उत्पीड़न जैसे बुरे व्यवहार से मना किया।

منع على المسلمين المعاملات السيئة مثل السرقة والغش والقتل والظلم.

उन्होंने हमारे बुरे जीवन और दुष्ट आचरण व आदतों को अच्छाई में बदल दिया।

إنَّه مَنْ غيَّر حياتنا وطباعنا السيئة إلى حسنةٍ.

उन्होंने मुसलमानों को चोरी न करना सिखाया।	عَلَّمَ الْمُسْلِمَ أَنْ لَا يَسْرِقَ.
उन्होंने मुसलमानों को झूठ नहीं बोलना सिखाया।	عَلَّمَ الْمُسْلِمَ أَنْ لَا يَكْذِبَ.
उन्होंने मुसलमानों को शराब न पीने की शिक्षा दी।	عَلَّمَ الْمُسْلِمَ أَنْ لَا يَشْرَبَ الْخَمْرَ.
उन्होंने मुसलमानों को व्यभिचार न करने की शिक्षा दी।	عَلَّمَ الْمُسْلِمَ أَنْ لَا يَزْنِيَ.
उन्होंने मुसलमानों को धोखा न देना सिखाया।	عَلَّمَ الْمُسْلِمَ أَنْ لَا يَغُشَّ.
उन्होंने मुसलमानों को सिखाया कि वे निर्दोष लोगों से न लड़ें।	عَلَّمَ الْمُسْلِمَ أَنْ لَا يِقَاتِلَ الْأَبْرِيَاءَ.
उन्होंने मुसलमानों को सिखाया कि वे अपने पड़ोसियों को नुकसान न पहुँचाएँ, चाहे वे मुस्लिम हों अथवा गैर-मुस्लिम।	عَلَّمَ الْمُسْلِمَ أَنْ لَا يُؤْذِي جَارَهُ؛ مُسْلِمًا كَانَ أَوْ كَافِرًا.
उन्होंने मुसलमानों को अपने माता-पिता के प्रति दयालु होना और उनकी सेवा करना सिखाया, भले ही वे उसके धर्म के न हों।	عَلَّمَ الْمُسْلِمَ أَنْ يَرْبَّ بِوَالِدَيْهِ، وَيَخْدُمَهُمَا وَلَوْ كَانَا عَلَى غَيْرِ دِينِهِ.
उन्होंने मुसलमानों को बच्चों, महिलाओं, कमजोरों और बुजुर्गों के प्रति दयालु होना सिखाया।	عَلَّمَ الْمُسْلِمَ أَنْ يَعْطِفَ عَلَى الصَّغَارِ، وَعَلَى النِّسَاءِ، وَعَلَى الضُّعَفَاءِ وَكِبَارِ السِّنِّ.
उन्होंने मुसलमानों को सिखाया कि वे किसी भी इंसान या जानवर को पीड़ा न दें और पर्यावरण को नुकसान न पहुँचाएं।	عَلَّمَ الْمُسْلِمَ أَنْ لَا يَعْذِّبَ الْبَشَرَ، وَلَا الْحَيَوَانَاتِ، وَلَا يَفْسِدَ الْبَيْئَةَ.
उन्होंने मुसलमानों को अपने जीवन के अंतिम दिन तक अपनी पत्नी पर दया करना और प्यार करना एवं अपने बच्चों की देखभाल करना और सहानुभूति रखना सिखाया।	عَلَّمَ الْمُسْلِمَ أَنْ يَرْحَمَ وَيُحِبَّ زَوْجَتَهُ، وَيَهْتَمَّ وَيَعْطِفَ عَلَى أَبْنَائِهِ، حَتَّى آخِرِ يَوْمٍ مِنْ عَمْرِهِ.
उन्होंने मुसलमानों को सिखाया कि वयस्क होने के बाद भी बच्चों के साथ अपना संबंध कदापि समाप्त न करें।	عَلَّمَ الْمُسْلِمَ أَنْ لَا تَنْتَهِيَ عِلَاقَتُهُ بِأَوْلَادِهِ بَعْدَ سِنِّ الرُّشْدِ أَبَدًا.
प्रत्येक मुसलमान मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से हर प्राणी की तुलना में अधिक प्यार करता है।	كُلُّ مُسْلِمٍ يُحِبُّ مُحَمَّدًا ﷺ أَكْثَرَ مِنْ كُلِّ مَخْلُوقٍ.
मूसा और ईसा अलैहिमस्सलाम ने आप के आने की शुभ-सूचना दी थी।	بَشَّرَ بِهِ مُوسَى وَعِيسَى ﷺ.

हर मुसलमान मूसा और ईसा अलैहमस्सलाम से प्यार करता है, और उनका मानना है कि वे सबसे अच्छे नबियों में से हैं, उन सभी पर शांति हो।

كُلُّ مُسْلِمٍ يُحِبُّ مُوسَى وَعِيسَى عَلَيْهِمَا السَّلَامُ، وَيُؤْمِنُ أَنَّهُمَا مِنْ أَفْضَلِ الْأَنْبِيَاءِ عَلَيْهِمَا السَّلَامُ.

पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को अरब और गैर-अरब सभी के लिये भेजा गया था।

بَعَثَ مُحَمَّدًا ﷺ لِلْعَرَبِ وَغَيْرِ الْعَرَبِ.

उनके लाये हुये धर्म में एक अरब और एक गैर-अरब के बीच धर्मपरायणता के अलावा कोई अंतर नहीं है।

وَلَا فَرْقَ فِي دِينِهِ بَيْنَ عَرَبِيٍّ وَغَيْرِ عَرَبِيٍّ إِلَّا بِالتَّقْوَى.

निःसंदेह, वह अल्लाह के रसूल (दूत) मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम हैं।

إِنَّهُ مُحَمَّدٌ رَسُولُ اللَّهِ ﷺ.

क्या अब आप जानते हैं कि सभी मुसलमान मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से प्यार क्यों करते हैं?

هَلْ عَرَفْتُمْ لِمَاذَا يُحِبُّ كُلُّ الْمُسْلِمِينَ مُحَمَّدًا ﷺ؟

क्या अब आप जानते हैं कि मुसलमानों के लिए मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का क्या अर्थ है?

هَلْ عَرَفْتُمْ مَاذَا يَعْنِي مُحَمَّدٌ ﷺ لِلْمُسْلِمِينَ؟

अल्लाह के पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें:

لِلْمَزِيدِ مِنَ الْمَعْلُومَاتِ عَنْ نَبِيِّ اللَّهِ مُحَمَّدٍ ﷺ وَتَعَالِيهِ، يُرْجَى زِيَارَةُ:

mahadsunnah.com

